For immediate release

एफएसएसएआई देश भर में दूध और दूध उत्पाद निगरानी आयोजित करेगा

प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली , 25 मई। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI),देश कीशीर्ष खाद्य नियामक, दूध और दूध उत्पादों (जैसे दूध, आदि) पर राष्ट्रव्यापी निगरानी करेगा।दूध और दूध से बने उत्पादखोआ, छेना, पनीर, घी, मक्खन, दही और आइसक्रीम) में मिलावट को रोकने के लिए विशेष ड्राइव चलाया जाएगा। इसके तहत पूरे देश में राज्य एवं केंद्रशाषित प्रदेश के विभिन्न जिलों के संगठित एवं असंगठित क्षेत्रों से निगरानी हेतु बड़े पैमाने पर नमूने एकत्र की जाएगी।

हमारी खाद्य संस्कृति में ताजा तरल पदार्थ या प्रसंस्कृत डेयरी उत्पादों की अपरिहार्य भूमिका के कारण दूध एवं दूध उत्पादों को निगरानी के लिया चुना गया। दूध में महत्वपूर्ण सूक्ष्म पोषक तत्व और मैक्रो पोषक तत्व होते हैं। हर आयु वर्ग के लोग अपने दैनिक आहार में दूध या दूध से बने उत्पादों को शामिल करते हैं। जीवनशैली में बदलाव और स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता भारत में दूध और उच्च मूल्य वाले दूध उत्पादों के लिए प्रमुख विकास चालक हैं।

मानव उपभोग के लिए सुरक्षित और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के आदेश को बनाए रखने के लिए, देश में बेचे जाने वाले दूध और दूध उत्पादों का आकलन करने के उद्देश्य से उक्त सर्वेक्षण शुरू किया जाएगा।एफएसएसआर में दिए गए गुणवत्ता और सुरक्षा मापदंडों का अनुपालन, दूध और दूध उत्पादों में मिलावट के लिए हॉटस्पॉट की पहचान करना और अध्ययन के परिणामों के आधार पर सुधारात्मक कार्रवाई/रणनीतियां तैयार करना और आगे का रास्ता सुझाना।

यह बताना उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों में, एफएसएसएआई ने वस्तुओं पर कई पैन इंडिया सर्वेक्षण आयोजित किए हैं, जिसमें क्रमशः 1,791 और 1,663 के नमूना आकार के साथ 2011 और 2016 में दूध पर सर्वेक्षण शामिल है। राष्ट्रीय दूध सुरक्षा और गुणवत्ता सर्वेक्षण 2018 सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में आयोजित किया गया था। 50,000 से अधिक आबादी वाले 1,103 कस्बों/शहरों से संगठित और असंगठित क्षेत्रों से दूध के कुल 6,432 नमूने एकत्र किए गए। एकत्र किए गए सभी नमूनों का गुणवत्ता और सुरक्षा के महत्वपूर्ण मापदंडों के लिए परीक्षण किया गया।

इसके अलावा, एफएसएसएआई ने त्योहारों के दौरान बाजार में बेचे जाने वाले दूध उत्पादों और मिठाइयों की सुरक्षा और गुणवत्ता की सही तस्वीर को समझने के लिए पैन इंडिया मिल्क प्रोडक्ट्स सर्वे, 2020 का आयोजन किया। कुल मिलाकर 2,801

देश भर के 542 जिलों से संगठित और असंगठित क्षेत्र (पनीर, खोआ, छेना, खोआ आधारित मिठाइयाँ और छेना-आधारित मिठाइयाँ) से दूध उत्पाद के नमूने एकत्र किए गए थे। दुग्ध उत्पादों का परीक्षण कीटनाशक अवशेषों, भारी धातुओं, फसल संदूषकों, मेलामाइन और सूक्ष्मजीवविज्ञानी मापदंडों सहित सभी गुणवत्ता और सुरक्षा मापदंडों के लिए किया गया था।

इसी तरह, 2022 में, एफएसएसएआई ने भारत में मवेशियों में एलएसडी के प्रकोप के कारण चयनित 12

राज्यों (जिसमें 10 राज्य शामिल हैं जहां गांठदार त्वचा रोग (एलएसडी) प्रचलित था और 2 राज्य जहां नियंत्रण के रूप में एलएसडी का कोई प्रकोप नहीं था) में दूध सर्वेक्षण किया। . प्रभावित पशुओं में एंटीबायोटिक्स/पशु चिकित्सा दवाओं के प्रशासन और शेडों में कीटनाशकों के छिड़काव के परिणामस्वरूप दूध में अवशिष्ट संदूषण हो सकता है। दूध की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, एकत्र किए गए नमूनों में एंटीबायोटिक्स, कीटनाशक अवशेष और भारी धातुओं की उपस्थिति का आकलन किया गया। सर्वेक्षण के नतीजे से पता चला कि चयनित 12 राज्यों में बेचा जाने वाला दूध उपभोग के लिए काफी हद तक सुरक्षित है।

एफएसएसएआई ने 2011 से दूध और दूध उत्पादों पर पांच निगरानी आयोजित की है और खाद्य उत्पादों की सुरक्षा और गुणवत्ता की निगरानी करना जारी रखा है और हमेशा किसी भी खाद्य संबंधी मुद्दों और उभरते जोखिमों के प्रकोप के आधार पर निगरानी करने की योजना बनाई है।

***